Sign in to edit and save changes to this file.

अंक-314 कानपुर, गुरूवार 25 जनवरी 2024 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौहदा, बादा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

छात्र-छात्राओं का शैक्षणिक भ्रमण दल आया वापस, कुलपति ने दी बधाई

आज का कानपुर

कानपुर । सीएसए के कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह एवं डा. सी.एल. मौर्या, अधिष्ठाता कृषि संकाय/विभागाध्यक्ष सस्य विज्ञान विभाग के दिशा-निर्देशन में 125 छात्र/छात्राओं का चार दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम झांसी एवं ग्वालियर के कई कृषि शिक्षण अनुसंधान संस्थानों मे सम्पन्न कराया गया। कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सभी छात्र छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं उक्त शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम में महारानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय विश्वविद्यालय, झांसी, भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान, झांसी एवं केन्द्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी में कृषि में हो रहे अनुसंधानो एवं कृषकों की आमदनी दुगनी करने के साथ कम पानी में फसलो को कैसे उगाया जाए, वनों के क्षेत्रों को बढाने हेतु मृदा के अनुसार किन-किन पौधो का रोपण किया जाय, पथरीली भूमि में कौन से पेड उगाये जा सकते है आदि के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी के कुलपति डा. अशोक कुमार सिंह ने सभी छात्र/छात्राओं को संबोधित करने के साथ उनके भविष्य में आगे बढने के लिए वो क्या प्रयास करे के बारे बताया केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय को कम समय में विकसित करने के बारे में जानकारी प्रदान की संकर बाजरा, नेपियर में टपक सिंचाई द्वारा अर्द्ध शुष्क क्षेत्र में पोषक एवं जलप्रबंधन कैसे करे के संबंध में जानकारी प्राप्त की। छात्र छात्राओं ने गैर परंपरागत फसले जैसे नागफनी, चुकंदर, चारा-गन्ना आदि फसलों को कैसे उगाया जाय के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की शैक्षिक भ्रमण दल का नेतृत्व कर रहे डा सुनील कुमार पांडे ने बताया कि ग्वालियर के कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले कृषि विज्ञान केन्द्र एवं कृषि महाविद्यालय के विभागों को भी देखा इसके उपरांत राजमाता विजया राजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर में भी भ्रमण किया साथ ही विश्वविद्यालय में हो रही नई कृषि तकनीकों एवं अनुसंधान के बारे में विस्तृत जानकारी छात्र/छात्राओं ने प्राप्त की। इस शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के प्रभारी डा. एस.एन. सुनील पाण्डेय मौसम वैज्ञानिक द्वारा संपन्न हुआ साथ में गेस्ट फैकल्टी डा. संजना पाठक एवं डा. बलवीर सिंह द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया

जल ही जीवन है

सीएसए में छात्र-छात्राओं ने तकनीकी ज्ञान प्राप्त किया

डीटीएनएन | कानपुर

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति महोदय डा. आनंद कुमार सिंह एवं डा. सी.एल. मौर्या, अधिष्ठाता कृषि संकाय विभागाध्यक्ष सस्य विज्ञान विभाग के दिशा-निर्देशन में 125 छात्र छात्राओं का चार दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम झांसी एवं ग्वालियर के कई कृषि शिक्षण अनुसंधान संस्थानों मे सम्पन्न कराया गया। कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सभी छात्र छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। उक्त शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम में महारानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय विश्वविद्यालय, झांसी, भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान, झांसी एवं केन्द्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी में कृषि में हो रहे अनुसंधानो एवं कृषकों की आमदनी दुगनी करने के साथ कम पानी में फसलो को कैसे उगाया जाए, वनों के क्षेत्रों को बढाने हेतु मृदा के अनुसार किन-किन पौधो का रोपण किया जाय, पथरीली भूमि में कौन से पेड उगाये जा सकते है आदि के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी के कुलपति डा. अशोक कुमार सिंह ने सभी छात्र छात्राओं को संबोधित करने के साथ उनके भविष्य में आगे बढने के लिए वो क्या प्रयास करे के बारे बताया। केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय को कम समय में विकसित करने के बारे में जानकारी प्रदान की। संकर बाजरा, नेपियर में टपक सिंचाई द्वारा अर्द्धशुष्क क्षेत्र में पोषक एवं जलप्रबंधन कैसे करे के संबंध में जानकारी प्राप्त की। छात्र छात्राओं ने गैर परंपरागत फसले जैसे नागफनी, चुकंदर, चारा-गन्ना आदि फसलों को कैसे उगाया जाय के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। शैक्षिक भ्रमण दल का नेतृत्व कर रहे डा सुनील कुमार पांडे ने बताया कि

ग्वालियर के कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले कृषि विज्ञान केन्द्र एवं कृषि महाविद्यालय के विभागों को भी देखा। इसके उपरांत राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर में भी भ्रमण किया साथ ही विश्वविद्यालय में हो रही नई कृषि तकनीकों एवं अनुसंधान के बारे में विस्तृत जानकारी छात्र छात्राओं ने प्राप्त की। इस शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के प्रभारी डा. एस.एन. सुनील पाण्डेय मौसम वैज्ञानिक द्वारा संपन्न हुआ साथ में गेस्ट फैक्लटी डा. संजना पाठक एवं डा. बलवीर सिंह द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया।

Title-code: UPHIN-48963 E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर

समाचार पत्र

25,01, 2024jksingh.hardoi@gmail.com मोबाइल नंबर 9956834016

Top News

सीएसए में छात्र-छात्राओं का शैक्षणिक भ्रमण दल आया वापस, कुलपति ने दी बधाई

पत्रकार जीतेंद्र सिंह पटेल Reporter

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति महोदय डा. आनंद कुमार सिंह एवं डा. सी.एल. मौर्या, अधिष्ठाता कृषि संकाय/विभागाध्यक्ष सस्य विज्ञान विभाग के दिशा-निर्देशन में 125 छात्र/छात्राओं का चार दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम झांसी एवं ग्वालियर के कई कृषि शिक्षण अनुसंधान संस्थानों मे सम्पन्न कराया गया। कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सभी छात्र छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। उक्त शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम में महारानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय विश्वविद्यालय, झांसी, भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान, झांसी एवं केन्द्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी में कृषि में हो रहे अनुसंधानो एवं कृषकों की आमदनी दुगनी करने के साथ कम पानी में फसलो को कैसे उगाया जाए, वनों के क्षेत्रों को बढाने हेतु मृदा के अनुसार किन-किन पौधो का रोपण किया जाय, पथरीली भूमि में कौन से पेड उगाये जा सकते है आदि के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी के कुलपति डा. अशोक कुमार सिंह ने सभी छात्र/छात्राओं को संबोधित करने के साथ उनके भविष्य में आगे बढने के लिए वो क्या प्रयास करे के बारे बताया। केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय को कम समय में विकसित करने के बारे में जानकारी प्रदान की। संकर बाजरा, नेपियर में टपक सिंचाई द्वारा अर्द्धशुष्क क्षेत्र में पोषक एवं जलप्रबंधन कैसे करे के संबंध में जानकारी प्राप्त की। छात्र छात्राओं ने गैर परंपरागत फसले जैसे नागफनी, चुकंदर, चारा-गन्ना आदि फसलों को कैसे उगाया जाय के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। शैक्षिक भ्रमण दल का नेतृत्व कर रहे डा सुनील कुमार पांडे ने बताया कि ग्वालियर के कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले कृषि विज्ञान केन्द्र एवं कृषि महाविद्यालय के विभागों को भी देखा। इसके उपरांत राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर में भी भ्रमण किया साथ ही विश्वविद्यालय में हो रही नई कृषि तकनीकों एवं अनुसंधान के बारे में विस्तृत जानकारी छात्र/छात्राओं ने प्राप्त की। इस शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के प्रभारी डा. एस.एन. सुनील पाण्डेय मौसम वैज्ञानिक द्वारा संपन्न हुआ साथ में गेस्ट फैक्लटी डा. संजना पाठक एवं डा. बलवीर सिंह द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया।

SKS NEWS

हिन्दी दैनिक

समाज का साथी

कानपुर नगर से प्रकाशित

कानपुर, बृहस्पतिवार 25 जनवरी-2024 पृष्ठ -8

छात्र-छात्राओं का शैक्षणिक भ्रमण दल आया वापस, कुलपति ने दी बधाई

समाज का साथी

कानपुर । सीएसए के कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह एवं डा. सी.एल. मौर्या, अधिष्ठाता कृषि संकाय/विभागाध्यक्ष सस्य विज्ञान विभाग के दिशा-निर्देशन में 125 छात्र/छात्राओं का चार दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम झांसी एवं ग्वालियर के कई कृषि शिक्षण अनुसंधान संस्थानों मे सम्पन्न कराया गया। कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सभी छात्र छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। उक्त शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम में महारानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय विश्वविद्यालय, झांसी, भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान, झांसी एवं केन्द्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी में कृषि में हो रहे अनुसंधानो एवं कृषकों की आमदनी दुगनी करने के साथ कम पानी में फसलो को कैसे उगाया जाए, वनों के क्षेत्रों को बढाने हेतु मृदा के अनुसार किन-किन पौधो का रोपण किया जाय, पथरीली भूमि में कौन से पेड उगाये जा सकते है आदि के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की ।के न्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी के कुलपति डा. अशोक कुमार सिंह ने सभी छात्र/छात्राओं को संबोधित करने के साथ उनके भविष्य में आगे बढने के लिए वो क्या प्रयास करे के बारे बताया। केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय को कम समय में विकसित करने के बारे में जानकारी प्रदान की। संकर बाजरा, नेपियर में टपक सिंचाई द्वारा अर्द्धशुष्क क्षेत्र में पोषक एवं जलप्रबंधन कैसे करे के संबंध में जानकारी प्राप्त की। छात्र छात्राओं ने गैर परंपरागत फसले जैसे नागफनी, चुकंदर, चारा-गन्ना आदि फसलों को कैसे उगाया जाय के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। शैक्षिक भ्रमण दल का नेतृत्व कर रहे डा सुनील कुमार पांडे ने बताया कि ग्वालियर के कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले कृषि विज्ञान केन्द्र एवं कृषि महाविद्यालय के विभागों को भी देखा। इसके उपरांत राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर में भी भ्रमण किया साथ ही विश्वविद्यालय में हो रही नई कृषि तकनीकों एवं अनुसंधान के बारे में विस्तृत जानकारी छात्र/छात्राओं ने प्राप्त की। इस शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के प्रभारी डा. एस.एन. सुनील पाण्डेय मौसम वैज्ञानिक द्वारा संपन्न हुआ साथ में गेस्ट फैक्लटी डा. संजना पाठक एवं डा. बलवीर सिंह द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया।

एडीजी जोन ने निर्वाचनों में अपने मताधिकार के प्रयोग की दिलाई शपथ

अमर उजाला 25/01/2024

शुक्ला ... विवेक

कम समय में विकसित होने वाली प्रजातियों के बारे में जाना

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के 125 छात्र चार दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण पर झांसी एवं ग्वालियर के कई कृषि शिक्षण अनुसंधान संस्थानों में गए। छात्रों ने महारानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय विश्वविद्यालय झांसी, भारतीय चारागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान, झांसी एवं केंद्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी में खेती में हो रहे अनुसंधानों, कम पानी में फसलों को उगाने समेत विभिन्न जानकारियां लीं। कम समय में विकसित होने वाली प्रजातियों के बारे में जाना। भ्रमण दल में डॉ. सुनील कुमार पांडे, डॉ. एसएन सुनील पांडेय, डॉ. संजना पाठक एवं डॉ. बलवीर सिंह भी रहे। (ब्यूरो)

छह फरवरी तक श्रमिक ...

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 204 कानपुर, गुरुवार 25 जनवरी 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

छात्र-छात्राओं का शैक्षणिक भ्रमण दल आया वापस, कुलपति ने दी बधाई

कानपुर । सीएसए के कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह एवं डा. सी.एल. मौर्या, अधिष्ठाता कृषि संकाय/विभागाध्यक्ष सस्य विज्ञान विभाग के दिशा-निर्देशन में 125 छात्र/छात्राओं का चार दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम झांसी एवं ग्वालियर के कई कृषि शिक्षण अनुसंधान संस्थानों मे सम्पन्न कराया गया। कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सभी छात्र छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। उक्त शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम में महारानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय विश्वविद्यालय, झांसी, भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान, झांसी एवं केन्द्रीय कृषि वानिकी अनुसंधान संस्थान झांसी में कृषि में हो रहे अनुसंधानो एवं कृषकों की आमदनी दुगनी करने के साथ कम पानी में फसलो को कैसे उगाया जाए, वनों के क्षेत्रों को बढाने हेतु मृदा के अनुसार किन-किन पौधो का रोपण किया जाय, पथरीली भूमि में कौन से पेड उगाये जा सकते है आदि के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी के कुलपति डा. अशोक कुमार सिंह ने सभी छात्र/छात्राओं को संबोधित करने के साथ उनके भविष्य में आगे बढने के लिए वो क्या प्रयास करे के बारे बताया। केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय को कम समय में विकसित करने के बारे में जानकारी प्रदान की। संकर बाजरा, नेपियर में टपक सिंचाई द्वारा अर्द्धशुष्क क्षेत्र में पोषक एवं जलप्रबंधन कैसे करे के संबंध में जानकारी प्राप्त की। छात्र छात्राओं ने गैर परंपरागत फसले जैसे नागफनी, चुकंदर, चारा-गन्ना आदि फसलों को कैसे उगाया जाय के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। शैक्षिक भ्रमण दल का नेतृत्व कर रहे डा सुनील कुमार पांडे ने बताया कि ग्वालियर के कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले कृषि विज्ञान केन्द्र एवं कृषि महाविद्यालय के विभागों को भी देखा। इसके उपरांत राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर में भी भ्रमण किया साथ ही विश्वविद्यालय में हो रही नई कृषि तकनीकों एवं अनुसंधान के बारे में विस्तृत जानकारी छात्र/छात्राओं ने प्राप्त की। इस शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के प्रभारी डा. एस.एन. सुनील पाण्डेय मौसम वैज्ञानिक द्वारा संपन्न हुआ साथ में गेस्ट फैक्लटी डा. संजना पाठक एवं डा. बलवीर सिंह द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया।

राष्ट्रीय
सहारा

कानपुर • बृहस्पतिवार • 25 जनवरी • 2024

ात्रों के शैक्षणिक दल ने किया
कृषि समस्याओं का अध्ययन

ुर (एसएनबी)। सीएसए
वेद्यालय के छात्रछात्राओं का शैक्षणिक
दल विभिन्न कृषि संस्थानों में कृषि व
ं की समस्याओं का अध्ययन कर वापस
इस दौरान छात्रों ने कृषकों की आय
के तरीकों पर विशेष ध्यान दिया।
न्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक
वेद्यालय के 125 छात्रछात्राओं का
ल चार दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण
म के तहत झांसी और ग्वालियर के
षि शिक्षण अनुसंधान संस्थानों में गया
उक्त शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम में
ी लक्ष्मीवाई केन्द्रीय विश्वविद्यालय,
भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसंधान
न, झांसी और केन्द्रीय कृषि वानिकी
धान संस्थान झांसी में कृषि में हो रहे
धानों और कृषकों की आमदनी दोगनी
के साथ कम पानी में फसलों को कैसे
जाए, वन क्षेत्र को वढ़ाने के लिये मृदा
ुसार किनकिन पौधों का रोपण किया
ौर पथरीली भूमि में कौन से पेड़ उगाये
कते हैं आदि के वारे में विस्तृत
ारी प्राप्त की। इस दौरान केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी के कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह ने सभी छात्रछात्राओं को संवोधित करते हुए उन्हें भविष्य में आगे वढ़ने की प्रेरणा व मार्गदर्शन दिया। साथ ही उन्होंने केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय को कम समय में विकसित करने के वारे में जानकारी प्रदान की। संकर वाजरा, नेपियर में टपक सिंचाई द्वारा अर्द्धशुष्क क्षेत्र में पोषक व जलप्रवंधन के संवंध में जानकारी प्राप्त की। छात्रछात्राओं ने गैर परंपरागत फसलों, जैसे नागफनी, चुकंदर, चाराग्न्ना आदि फसलों को उगाने को लेकर भी विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

शैक्षणिक भ्रमण दल का नेतृत्व कर रहे डॉ. सुनील कुमार पांडे ने वताया कि छात्रों ने ग्वालियर के कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले कृषि विज्ञान केन्द्र व कृषि महाविद्यालय के विभागों को भी देखा। इसके वाद राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर का भी भ्रमण किया गया। साथ ही विश्वविद्यालय में हो रही नई कृषि तकनीकों व अनुसंधान के वारे में छात्रछात्राओं ने विस्तृत जानकारी प्राप्त की।